हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(वसंत)(पाठ 8)(जया जादवानी– यह सबसे कठिन समय नहीं)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

पाठ से

प्रश्न 1:

यह कठिन समय नहीं है? यह बताने के लिए कविता में कौन–कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 1:

यह कठिन समय नहीं है क्योंकि अभी चिड़िया की चोंच में तिनका दबा हुआ है। वह उड़ने के लिए तैयार बैठी है। पेड़ से झरती हुई पत्ती को सहारा देने वाला हाथ अभी उसे सहारा दे रहा है। गाड़ी अपने गंतव्य तक जा रही है और बूढ़ी नानी अतंरिक्ष के पार की कहानी सुना रही है। उसके अनुसार कोई आएगा और वहॉ के लोगों की खबर लाएगा।

प्रश्न 2:

चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

उत्तर 2:

चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर इसलिए उड़ने की तैयारी कर रही है जिससे कि वह सूरज डूबने से पहले अपना घोंसला बना ले। इसके अलावा वह तिनकों से अपने घोंसले को सही करती होगी या अपने बच्चों के लिए नया घेंसला बनाती होगी।

प्रश्न 3:

कविता में कई बार 'अभी भी' का प्रयोग करके बातें रखी गई हैं, अभी भी का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए और देखिए उनमें लगातार, निरंतर, बिना रुके चलने वाले किसी कार्य का भाव निकल रहा है या नहीं?

उत्तर 3:

- पानी अभी भी बरस रहा है।
- बच्चे अभी भी खेल रहे हैं।
- अध्यापक अभी भी पढ़ा रहे हैं।

प्रश्न 4:

नहीं , और अभी भी , को एक साथ प्रयोग करके तीन वाक्य लिखिए और देखिए 'नहीं' 'अभी भी' के पीछे कौन–कौन से भाव छिपे हो सकते हैं?

उत्तर 4:

- नहीं, अभी भी बच्चा सो रहा है।
- नहीं, अभी भी परीक्षाएं चल रही हैं।
- नहीं, वह अभी भी खाना खा रहा है।

कविता से आगे

प्रश्न 1:
घर के बड़े–बूढ़ों द्वारा बच्चों को सुनाई जाने वाली किसी ऐसी कथा की जानकारी प्राप्त कीजिए जिसके आखिरी हिस्से में कठिन परिस्थितियों से जीतने का संदेश हो।

उत्तर 1:
बच्चे अपने दादा–दादी के द्वारा सुनाई गई या किताबों से पढ़ी कोई प्रेरणादायक कहानी को पढ़कर जानकारी प्राप्त करेंगे।

प्रश्न 2:
आप जब भी घर से स्कूल जाते हैं कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा होता है। सूरज डूबने का समय भी आपको खेल के मैदान से घर लौट चलने की सूचना देता है कि घर में कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति के विषय में आप क्या सोचते हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर 2:
प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति के बारे में हम सोचते हैं कि ये बेकार हमारी प्रतीक्षा कर रहा था। मगर यह नहीं जानते कि उसको हमारी कितनी चिंता हैं।